उत्तराखंड के चरागाह संरक्षण SOP

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड सरकार का वन विभाग राज्य के ऊपरी हिमालयी क्षेत्र में घास के मैदानों के संरक्षण हेतु एक **मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)** तैयार करेगा।

- इस पहल का उद्देश्य **प्राकृतिक और मानवीय गतिविधियों** के कारण होने वाले भूस्खलन और **भूमि अवतलन की बढ़ती आवृत्ति को रोकना है।**

मुख्य बिंदु

- **चरागाह संरक्षण पहल:**
  - **संवेदनशील पारिस्थितिकी क्षेत्र द्वारा बुग्याल ने** पिछले पारिस्थितिकी बहाली प्रयासों से सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। इन लाभों को अन्य घास के मैदानों तक पहुँचाने के लिये, वन विभाग संरक्षण के लिये एक **SOP विकसित करने की योजना बना रहा है।**
    - यह **SOP** जैविक दबाव को कम करने तथा आगे क्षरण को रोकने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
  - **बुग्याल संरक्षण योजना** के तहत अब तक **22 घास के मैदानों की** लगभग 83 हेक्टेयर भूमि पर संरक्षण कार्य किया जा चुका है।
- **हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र:**
  - अपने दौरे के दौरान अधिकारियों ने गंगोत्री के निकट लंका में निर्माणाधीन हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र का भी निरीक्षण किया।
    - **आशा है कि यह केंद्र एक वर्ष के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण का अनुभव करने** तथा **हिम तेंदुओं को** उनके प्राकृतिक आवास में देखने का अवसर मिलेगा।
  - गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान पिछले दशक में एक महत्त्वपूर्ण **ट्रांस-हिमालयी राष्ट्रीय उद्यान** के रूप में उभरा है।
  - **भारतीय वन्यजीव संस्थान** ने पार्क में **हिम तेंदुओं** की पर्याप्त उपस्थिति दर्ज की है, जो हाल तक अपेक्षाकृत अज्ञात थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhands-grassland-conservation-sop